हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
सोमवार
3 अगस्त 2026, श्रावण कृष्ण पक्ष, षष्ठी, विक्रम संवत् 2083, बरेली

PAGE NO : 02 MIDDLE

रिद्धिमा में नाटक दुलारी बाई का एक दृश्य।

मानवीय संवेदनाओं को दर्शाता है नाटक दुलारी बाई

बरेली। एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को मणिमयुकर लिखित हास्य व्यंग से भरपूर नाटक दुलारी बाई का मंचन हुआ। विनायक कुमार श्रीवास्तव निर्देशित यह नाटक धन-लोलुपता, स्वार्थ और सामाजिक विडम्बनाओं पर गहरी चोट करता है। इसकी केंद्रीय पात्र दुलारी बाई अपने कंजूस और स्वार्थी स्वभाव के कारण अनेक हास्यास्पद परिस्थितियों में उलझती है। ये परिस्थितियां दर्शकों का मनोरंजन करने के साथ समाज में मानवीय मूल्यों के क्षरण पर सोचने के लिए प्रेरित करती हैं ।